

३- पह आदेश तात्कालिक प्रभाव न लाग दोग।
लिप्यारामा

દીપધારામજાત,

विशेष निट्रोराक्तमण्डगमिक विकास
क्षमता

三

मात्रक 580 मटर, दिनांक 1-11-04
स्थिरिति शिला पट्टिकारी/स्थिति लेवीय शिला अंग भिस्त
शिला पट्टिकारी/स्थिति विद्युति के प्रवाह को सुरक्षा एवं
सुधारणा कार्य कृषिक ।

२- श्रीयक गणपत्तर का गानारंगत करने के लिए उमाग द्वारा प्राप्तवा जाति
के प्रत्येक का अनिरीक्षा किया जाएगा ।

३- सिस्टमकृत परिवर्तनियाँ ने प्रियंगिया को निर्गत ब्रह्मणीत प्रभाव देता है।

१५। विद्युताय दुग्धरा विद्युताय के विरुद्ध/विरुद्धतर कामया हो जाता है। इसके लिए विद्युताय के उपयोग के समक्ष प्रति स्वभूती गति विद्युताय का मूलान तभी किया जाता है।

जारी होता है अंगरेज़ भारत में अधिक क्रियात्मक कर्या जो वहाँ, जिसे उन्नप्रतिष्ठित एवं आपत्ति के लिए समर्पित कागजात एवं अन्धेशुल जारी करता है वहाँ प्रत्यक्ष दिव्यता तो भिन्न होते हैं।

ਇਥੋਂ ਪਾਸੇ ਅਖਿਆ ਵਰਤੀ ਹੈ ਕਿ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੀ ਮੁਲਾਕਾ ਨੂੰ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਿੱਚ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਮਦੂ ਮੁਲਾਕਾ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਿੱਚ ਹੋ ਗਈ ਹੈ।

पट ने गिर राजा की प्रत्यावर्ती को बताया हो अधिक मूल में व्यक्त किया।

राज्यमें राजनीति के विभिन्न विषयों पर विचारणा करने के लिए एक समिति गठित की गई है।

१४। गोपीयों द्वारा लिखी, मापदण्ड के अन्तर्लंब भवति में गोपीयों समझकर माना जाए अपराह्न उत्तमायाः की दृष्टिः उत्तमायाः उत्तमायाः की दृष्टिः उत्तमायाः की दृष्टिः । १५।

અમલદાર પત્રા | પાઠી ના વિકાસ | 14-30-10

५८० विषयालय कार्यपालिका

५८० पटना, दिनांक १-१-०४
सुनीता पाण्डित/निदेशकमण्डलमिक विभाग/निदेशक, प्राथमिक विभाग,
पटना जिल्हा का सचिव पाण्डित।

पांच रुपाएँ पिकारा तिमार, घट्टर, पट्टा को तपनार्थ प्राप्ति।

ପ୍ରକାଶକ ନିର୍ଦ୍ଦାତା ମହାନ୍ତିର

५८० गुरु दिवाल १-१-०४

३०० उत्तिवाप मरवनीय गंगा/राजा भवीतु युक्ति एव वाचपत्रिः। नमः
स्त्री वाचपत्रे वा वाचपत्रे विष्णु ।

रात्रियन् लिंगरा विष्णु, विहार, पटना के सुनवाई प्रसिद्ध ।

१८७४ निरुपित विद्यालय

— 1 —